सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 175 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 30 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

पतंगें हवा के विपरीत सबसे अधिक ऊँचाई छूती हैं, उसके साथ नहीं।
-विंस्टन चर्चिल

भारत पर सीरीज बराबरी पर खत्म करने... 7 | नाम कटने से वोटिंग पर भी... 3 | ऑपरेशन सिंदूर से पहलगाम तक... 2

राहुल के चैलेंज से घिरी सरकार

राज्यसभा के सभी सांसदों को पीएम मोदी से जवाब की उम्मीद

» विदेश मंत्री का ऐलान पीएम मोदी से किसी भी नेता ने युद्ध रुकवाने के लिए नहीं कहा

» कांग्रेस की मांग- राफेल की परेड कराए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो दिनों की लंबी बहस और आरोप-प्रत्यारोप के बाद विपक्ष ने सरकार के जवाब से नउम्मीदी जाहिर की है। राहुल–प्रियंका समेत विपक्ष के सभी संसद इस मुद्दे पर पीएम मोदी के जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे।

राहुल गांधी के चैलेंज के बाद सरकार बैकफुट पर आयी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत ने निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक कार्रवाई की और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया के किसी भी नेता ने भारत पर दबाव नहीं डाला। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का जवाब भले ही लंबा और विस्तृत रहा हो लेकिन उसमें कई ऐसे बिंदु हैं जो अभी भी अस्पष्ट हैं और जिन पर स्पष्टता की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि राज्यसभा के सभी सांसद उनसे जवाब की उम्मीद कर रहे थे।

राहुल गांधी का चैलेंज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो एक बार डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेकर देश को बता दीजिए कि उन्होंने भारत-पाक युद्ध नहीं रुकवाया। यह बयान जैसे ही सदन में गूंजा सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ओर हलचल तेज हो गई। राहुल गांधी का यह बीजेपी को अंदर तक की चुभन दे गया। सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप 29 बार युद्ध रूकवाने का श्रेय ले चुके हैं। ऐसे में पीएम मोदी को उनका नाम लेकर युद्ध रूकवाने पर ट्रंप की भूमिका को राहुल गांधी की गुगली कहा जा रहा है।

प्रेसीडेंट ट्रंप का नाम लेकर युद्ध नहीं रुकवाने का पीएम मोदी पर दबाव। पीएम मोदी ने नहीं लिया ट्रंप का नाम।

राहुल प्रियंका समेत विपक्ष के सभी संसद पीएम के जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे

29 बार अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप युद्ध रूकवाने का ले चुके हैं श्रेय।

खुफिया तंत्र की क्या कमियां रहीं

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यदि ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत कार्रवाई अभी भी जारी है, तो यह सरकार की जवाबदेही बनती है कि वह जनता को यह बताए कि खुफिया तंत्र की क्या कमियां रही हैं, किस स्तर पर इनपुट फेल हुए और उनसे निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार को अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों से डर है कि वे किसी तरह की कार्रवाई करेंगे, तो फिर मैच दुबई में क्यों, लाहौर में क्यों नहीं?

राज्यसभा सांसद चाहते हैं जवाब

शिवसेना यूबीटी से राज्यसभा सासंद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में करीब दो घंटे तक जवाब दिया। लेकिन, अब जो बात सामने आ रही है, वह यह है कि इस विषय पर पीएम मोदी राज्यसभा में नहीं बोलेंगे जबकि राज्यसभा के सभी सांसद उनसे जवाब की उम्मीद कर रहे थे। लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के जवाब में कई ऐसी बातें थीं जो और अधिक सवाल पैदा करती हैं। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार अगर ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, तो फिर हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने को लेकर इतने उत्सुक क्यों हैं? उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ कह रही है कि देश सुरक्षा को लेकर गंभीर है, दूसरी तरफ बीसीसीआई और ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क्स को पाकिस्तान से क्रिकेट प्रसारण और संबंधों पर मनमानी करने दी जा रही है।

राफेल की परेड की मांग

पीएम मोदी के जवाब के बाद कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा है कि भारत के पास 35 राफेल फाइटर जेट हैं। सरकार को इन सभी राफेल फाइटर जेट की परेड करानी चाहिए, ताकि पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया का मुंह बंद हो जाए। इसी तरह, कांग्रेस सांसद वरुण चौधरी ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार कह रहे हैं सीजफायर उन्होंने कराया है। जब राहुल गांधी ने सीधा सवाल किया था तो उसका जवाब भी सीधे तौर पर आना चाहिए था।

विदेश मंत्री ने संभाला मोर्चा

राज्यसभा में विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया के किसी भी नेता ने भारत पर दबाव नहीं डाला। उन्होंने दावा किया कि 22 अप्रैल से 16 जून तक एक बार भी प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका, सऊदी अरब और अन्य देशों से जो भी संवाद हुआ, वह पूरी तरह पारदर्शी और रिकॉर्ड में है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान यदि संघर्ष विराम चाहता है तो उसे हमारे डीजीएमओ चैनल से संवाद करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर से पहलगाम तक देश को सिर्फ भाषण नहीं समाधान चाहिए : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की संसद के भीतर जब देश की सुरक्षा पर बहस हो, तो पूरा राष्ट्र ठहर जाता है। निगाहें हर उस नेता पर टिक जाती हैं, जो सत्ता से सवाल कर सकता है, और ज़मीन की हकीकत को संसद के पटल पर रख सकता है। लोकसभा में जब अखिलेश यादव बोले, तो उनका स्वर सधा हुआ था लेकिन उनके शब्द सरकार की विफलताओं को बेनकाब कर रहे थे।

अखिलेश यादव ने ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए देश की सेना का आभार जताया, उनके साहस को नमन किया। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि भारतीय सेना जब दुनिया की सबसे बहादुर सेनाओं की सूची बनती है, तो सबसे ऊपर दिखाई देती है। इस बात से कोई इनकार नहीं कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी कैम्पों को नष्ट कर यह साबित कर दिया कि भारत किसी भी खतरे से निपटने में सक्षम है। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि यहीं से प्रश्न उठते हैं कि जब हमारी सेना जीत रही थी, तो सरकार पीछे क्यों हटी? अगर दुश्मन को सबक सिखाने का सुनहरा मौका था तो अचानक सीजफायर का ऐलान क्यों हुआ? अखिलेश ने सीधे पूछा कौन से अंतरराष्ट्रीय दबाव में सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े?

बड़ी-बड़ी बाते करते हैं बीजेपी वाले

सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार में शामिल लोग ब?ी-ब?ी बातें करते हैं। उत्तजनापूर्ण भाषण देते है। उसके जरिए जनता से भावनात्मक लाभ लेना चाहते है। सरकार की तरफ से सुरक्षा चूक और इंटेलिजेंस फेल्योर पर जवाब आना चाहिए। इसके साथ सरकार को जानकारी देना चाहिए कि जब भाजपा सत्ता में आयी थी तब देश का क्षेत्रफल कितना था और आज देश का क्षेत्रफल क्या है? लोगों को क्षेत्रफल पता होना चहिए। पर्यटक पूछते है कि उनकी रक्षा क्यों नहीं की गयी जबकि कुछ लोगों को पूरी चाक-चौबंद सुरक्षा दी जाती है, जो बाद में ठग साबित होते है।

पहलगाम हमले की जिम्मेदारी कौन लेगा

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आजादी के इतने सालों के बाद आज जिस विशय पर चर्चा करनी प? रही है, यह होना ही नहीं चाहिए था लेकिन दुर्भाग्य है कि इतने साल बाद भी ये मुद्दे बने हुए हैं। यह बात पक्ष विपक्ष की नही है। यह देश की सुरक्षा और जनता के रक्षा की है। सब लोग मिलकर कोई ऐसी रणनीति क्यों नहीं बनाते जिससे सीमाएं हमेशा के लिए सुरक्षित और शांत रहे। अखिलेश यादव ने कहा कि पहलगाम की घटना ने साबित कर दिया है कि लापरवाही देशवासियों की जान ले सकती है। पहलगाम हमले के समय वहां मौजूद पर्यटक पूंछ रहे थे कि खतरों के बीच उनकी रक्षा करने वाला कोई क्यों नहीं था। सरकार तो दावा करती थी कि धारा 370 खत्म होने के बाद कोई आतंकी घटना नहीं होगी। वहां पर्यटन ब?ेगा। पर्यटक सरकार के भरोसे और आश्वासन पर गये थे। पहलगाम में सुरक्षा चूक हुई। इस चूक की जिम्मेदारी किसकी है? जिम्मेदारी कौन लेगा? यह घटना इंटेलिजेंस फेल्योर थी। सरकार को बताना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटना न हो उसके लिए क्या-क्या कदम उठा रही है? क्योंकि पहलगाम से पहले पुलवामा की घटना हुई थी, तब भी इंटेलीजेंस फेल्योर की बात सामने आयी थी।

दुख की घड़ी में बीजेपी ने उड़ाया मजाक

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पहलगाम की घटना के दूसरे दिन जिस तरह का कार्टून भाजपा के आफिसियल हैंडल से पब्लिश किया गया और हमारे द्वारा घोर आपत्ति पर हटाया गया, उससे साबित होता है कि भाजपा के लोगों ने दु:ख की घ?ी में देश की भावनाओं के साथ शर्मनाक काम किया। भाजपा बताएं कि ऐसे असंवेदनशील लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की? अखिलेश यादव ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि यह इंटेलिजेंस फेल्योर है, लेकिन यह नहीं बताया कि फेलियर क्यों हुआ है। सरकार इस पर जवाब दे। श्री यादव ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के नाम पर किया गया प्रचार निन्दनीय है। ऑपरेशन सिन्दूर होना सरकार की विफलता का प्रतीक है।

विदेश नीति पूरी तरह फेल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की विदेश नीति पूरी तरह फेल है। आपरेशन सिन्दूर और पहलगाम की घटना पर दुनिया के किसी देश ने साथ नहीं दिया। यह विदेश नीति का संकटकाल है। प?ोसी देश अतिक्रमण कर रहे है। हमारे देश के साथ नहीं ख? हुए। उन्होंने कहा समाजवादियों ने हमेशा सरकार को सीमा को लेकर चेताया है। सरकार को इस पर साहस और समझदारी से काम लेना होगा। सरकार को इस पर समझौता नहीं करना चाहिए। भाजपा सरकार में सरहदों के साथ देश के व्यापार में भी चुनौती मिल रही है। सरकार को आगे ब?कर समाधान करना चाहिए।

मौलाना रशीदी भाजपा के एजेंट : अबू आजमी

» मौलाना रशीदी को डिंपल यादव पर कमेंट करना पड़ रहा है भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की सांसद और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने वाले मौलाना साजिद रशीदी पर विधायक अबू आजमी ने तीखा हमला किया है। उन?होंने कहा कि वह भाजपा का समर्थन करते हैं और उसी के लिए वोट भी मांगते हैं।

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने कहा कि मौलाना रशीदी भारतीय जनता पार्टी के समर्थक हैं। चंद सिक?के मिलने के बाद मुस्लिम समुदाय की तरफ से बोलने के लिए टीवी पर आ जाते हैं। साजिद ने भाजपा के लिए वोट भी मांगा था। ऐसे लोग डिंपल यादव पर टिप?पणी कर रहे हैं, शर्म आनी चाहिए। डिंपल यादव एक चुनी हुई सांसद हैं और

मुलायम सिंह यादव की बहू हैं। जिस साड़ी को पहनकर वह संसद में जाती हैं, वही उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रम में पहनी थी। यह हिंदू संस्कृति में पारंपरिक पहनावा है।

अबू आजमी ने कहा कि साजिद रशीदी को 'मौलाना' कहना भी सही नहीं, ऐसे लोगों को दलाली बंद करनी चाहिए और उन्हें शर्म आनी चाहिए। आप चाहते हो कि इस टिप?पणी से समाजवादी पार्टी से मुसलमान नाराज हो जाएं। हमारी मस्जिदें पार्लियामेंट और एसेंबली का काम करने के लिए बनी हैं। अखिलेश यादव वहां कारोबार के सिलसिले में नहीं गए थे। आप जैसे लोग इस तरह की बात करने लायक नहीं हैं, शर्म आनी चाहिए, मौलाना के नाम पर कलंक हैं।

सीएम ममता बनर्जी ने सौगातों की पोटली को खोला

बैठक के बाद 1,142 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीरभूम जिले के इलामबाजार में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक की। इस बैठक में राज्य के मुख्य सचिव मनोज पांथ, डीआईजी श्याम सिंह, बीरभूम के जिला अधिकारी विधान राय, जिला पुलिस अधीक्षक अमनदीप सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।। तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेता अनुब्रत मंडल, विधि मंत्री मलय घटक, सांसद शताब्दी राय, राज्यसभा सांसद सामीरुल इस्लाम, बीरभूम जिला परिषद अध्यक्ष फैयजुल हक उर्फ काजल शेख सहित अन्य विधायक भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने 1,142 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिसमें बीरभूम से पश्चिम बर्धमान को जोड़ने वाला अजय नदी पर बना 'जयदेव' पुल शामिल है, जिसे 138 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इसके अलावा, बक्रेश्वर ताप विद्युत केंद्र में 10,000 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना की शुरुआत की गई। दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर रोड पर एक पुल और उत्तर 24 परगना के बसीरहाट में 10 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट का भी उद्घाटन किया गया। ममता बनर्जी ने विकास कार्यों के लिए वित्तीय आवंटन की घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक विधायक अपने फंड से 10 लाख रुपए, सांसद 1 करोड़ रुपए और जिला परिषद व पंचायत समिति अपने विकास कोष से 5 प्रतिशत राशि आवंटित करेंगे। इस धन का उपयोग पूरे राज्य में विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए किया जाएगा।

एनआरसी लागू करने की साजिश

ममता बनर्जी ने आगे कहा, नए सिरे से मतदाता सूची में नाम जोड़ने के नाम पर एनआरसी लागू करने की साजिश की जा रही है। अगर किसी का नाम मतदाता सूची से हटाया जाता है, तो विरोध करें। बंगाल की जनता भाजपा को बर्दाश्त नहीं करेगी।

भाषा का मुद्दा नहीं करूंगी बर्दाश्त

भाषा के मुद्दे पर फिर एक बार मुखर होकर ममता बनर्जी ने कहा, बांग्ला भाषा पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रवींद्रनाथ, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, नेताजी, काजी नजरुल इस्लाम, मातंगिनी हाजरा, इन महान विभूतियों का अपमान सहन नहीं किया जाएगा।

बीजेपी पर बोला तीखा हमला

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि गृह मंत्री के आदेश पर बंगाल के प्रवासी श्रमिकों पर असम, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में अत्याचार हो रहा है। उन्होंने कहा, गृह मंत्री के आदेश पर बहुत अत्याचार हो रहा है। असम, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, जहां भी सरकारें हैं, वहां बंगाल के प्रवासी श्रमिकों पर अत्याचार हो रहा है। जबरन उन्हें डिटेंशन कैंप में डाला जा रहा है, थाने-थाने भटकाया जा रहा है। मैंने इसका विरोध किया है।

पाक के साथ युद्ध ट्रंप ने नहीं रुकवाया ऐसा क्यों नहीं बोला गया : इमरान मसूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ युद्ध ट्रंप ने नहीं रुकवाया, प्रधानमंत्री ने संसद में ऐसा क्यों नहीं बोला?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 29 बार कहा कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री सदन में यह बोल दें कि वे असत्य बोल रहे हैं। इंदिरा गांधी की 50 प्रतिशत हिम्मत भी हो, तो वे यह कह देंगे। अगर सचमुच में दम है तो पीएम को यहां कह देना चाहिए कि डोनाल्ड

ट्रंप झूठ बोल रहा है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि राहुल गांधी ने 50 प्रतिशत कहा है, यहां तो एक प्रतिशत भी नहीं दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक बार भी नहीं कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने झूठ बोला है। हमने तो विशेष तौर पर कहा था कि दम है तो बोलकर दिखाओ कि डोनाल्ड ट्रंप ने झूठ बोला है। प्रधानमंत्री जवाब देने को तैयार नहीं हैं।

नाम कटने से वोटिंग पर भी प्रभाव

कई सीटों पर उड़ जाएगी प्रत्याशियों की नींद

» सियासी पार्टियों की नजर में बिहार विस चुनाव

» विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष का हमला जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर घमासान मचा है। ऐसे में अगर बड़ी संख्या में नाम हटाए जाते हैं तो इसका चुनाव में क्या असर होगा, इसको लेकर सभी राजनीतिक दलों में बेचैनी है। महागठबंधन और एनडीए के अपने-अपने दावे हैं। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव तो चुनाव बहिष्कार की धमकी भी दे रहे हैं।

यहां ध्यान देना होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में 8 सीटों पर जीत हार का अंतर 1 हजार से भी कम रहा था। जबकि 11 सीटों पर वोटों का फासला 2 हजार से भी कम था। जबकि 85 सीटों पर हार-जीत 10 हजार से कम वोटों से तय हुई थी। चुनाव आयोग ने कहा है कि 99 फीसदी वोटरों का रिवीजन हो चुका है। बीएलओ/बीएलए ने 21.6 लाख मतदाता मृत पाए हैं। बीएलओ/बीएलए ने 31.5 लाख पाया है कि 31.5 लाख वोटर स्थायी तौर पर दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं. 7 लाख वोटर एक से ज्यादा जगह रजिस्टर्ड हैं. एक लाख वोटरों का पता ही नहीं चला है। यह संख्या 61 लाख के करीब है। करीब 7.21 करोड़ मतदाताओं (91.32 फीसदी) के फॉर्म जमा हो चुके हैं।

एक हजार से कम अंतर वाली कई सीटें

हिलसा विधानसभा सीट पर जदयू के कृष्ण मुरारी ने राजद के शक्ति सिंह यादव को सिर्फ 12 वोटों से हराया। बरबीघा विधानसभा सीट पर जदयू ने कांग्रेस प्रत्याशी को 113 वोटों से हराया था। भोरे विधानसभा सीट पर 462 वोटों का अंतर रहा. डेहरी सीट पर बीजेपी के सत्य नारायण सिंह को महज 464 वोटों से राजद प्रत्याशी ने हराया। कुरहानी सीट से राजद के अनिल कुमार शाही 712 मतों से जीते। बखरी सीट से सीपीआई के सूर्यकांत पासवान 777 वोटों से जीते। बखरी, रामगढ़, चकाई, मटिहानी और कुढ़नी में भी ऐसे ही कम वोटों से जीत हार हुई. बरबीघा निर्वाचन क्षेत्र में जदयू के सुदर्शन कुमार ने कांग्रेस के गजानन शाही को महज 113 वोटों से हराया, जबकि भोरे निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवारों के बीच जीत-हार का फासला मात्र 462 वोटों का रहा।

7 लाख वोटर एक से ज्यादा जगह रजिस्टर्ड

153 सीटों पर अंतर 20 हजार से कम

विधानसभा चुनाव में 153 सीटें ऐसी थीं जहां जीत हार का अंतर 20 हजार से कम था। जबकि 80 विधानसभा सीटों पर अंतर 10 से 20 हजार के बीच था। वहीं बिहार चुनाव 2020 में 41 सीटें ऐसी थीं, जिनमें जीत हार का फासला 5 हजार से 10 हजार वोटों के बीच था। 32 सीटों पर विजयी और पराजित उम्मीदवारों के बीच अंतर 5 हजार वोटों से कम था। वहीं 32 विधानसभा सीटें ऐसी थीं, जिनमें अंतर 5 हजार से कम वोटों का था। 11 सीटें ऐसी थीं, जहां मतों का अंतर 500 से एक हजार मतों के बीच था।

हार-जीत में वोटों का अन्त

हिलसा सीट- 12 वोट
हिलसा सीट पर आरजेडी के अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह को जेडीयू के कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया ने 12 वोटों से हराया। यहां 1022 वोटरों ने नोटा पर बटन दबाया था।

बारबीघा सीट- 113 वोट
कांग्रेस प्रत्याशी गजानंद शाही को 113 वोटों से हार मिली। इस सीट पर 3639 उम्मीदवारों ने नोटा बटन दबाया।

भोरे विधानसभा सीट- 462 वोट
जदयू के सुनील कुमार ने सीपीआई एमएल प्रत्याशी जितेंद्र पासवान को 462 वोटों से हराया था।

बछवारा सीट- 464 वोट
बछवारा विधानसभा सीट पर बीजेपी के सुरेंद्र मेहता ने सीपीआई के अवधेश राय को 464 वोटों से चुनाव हराया।

चकाई सीट- 581 वोट
चकाई विधानसभा सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी सुमित कुमार सिंह ने राजद की सावित्री देवी को 581 वोटों से हराया। यहां 6520 लोगों ने नोटा को वोट दिया।

परबत्ता सीट- 951 वोट
परबत्ता विधानसभा सीट पर राजद प्रत्याशी दिगंबर प्रसाद तिवारी जदयू प्रत्याशी डॉक्टर संजीव कुमार से 951 वोटों से हारे। यहां 1916 ने नोटा को वोट दिया।

मुंगेर सीट - 1244 वोट
मुंगेर विधानसभा में बीजेपी के प्रणव कुमार ने राजद प्रत्याशी अविनाश विद्यार्थी को 1244 वोटों से हराया। यहां 3063 वोटरों ने नोटा का बटन दबाया

सकरा सीट- 1537 वोट
सकरा विधानसभा सीट पर जदयू के अशोक कुमार ने 1537 मतों से कांग्रेस के उमेश कुमार राम को हराया। यहां 4389 लोगों ने नोटा वोट दिया7

महिषी सीट- 1630 सीट
महिषी विधानसभा सीट पर आरजेडी के गौतम कृष्णा को जेडीयू के गंजेश्वर शाह से 1630 वोटों से हार मिली थी। यहां 3005 ने नोटा दबाया।

झाझा सीट- 1679 वोट
झाझा विधानसभा सीट पर आरजेडी के राजेंद्र प्रसाद को जदयू प्रत्याशी दामोदर रावत से 1679 मतों से हार मिली थी। यहां 6271 ने नोटा पर बटन दबाया।

परिहार सीट- 1729 वोट
परिहार विधानसभा सीट पर बीजेपी की गायत्री देवी ने राजद की रितु जायसवाल को 1729 वोटों से हराया था। इस सीट पर 3589 ने नोटा को वोट दिया।

रामगढ़ सीट- 189 वोट
रामगढ़ विधानसभा सीट से सुधाकर सिंह ने 189 मतों से चुनाव जीता, उन्होंने बसपा उम्मीदवार को हराया।

तेजस्वी सिर्फ भ्रम फैला रहे, अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं : चिराग पासवान

एसआईआर को लेकर चुनाव बहिष्कार संबंधी आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मैं कह रहा हूं कि हिम्मत है तो करने दीजिए। ये वो राजनीतिक दल हैं जो अकेले लड़ भी नहीं सकते। बिहार की पुरानी पार्टी आरजेडी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है, वो कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कांग्रेस में भी अकेले लड़ने की हिम्मत नहीं है। चिराग पासवान ने 2020 में ऐसा किया था। वो सिर्फ डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। पासवान ने तंज भरे लहजे में कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान कह रहे थे कि संविधान खत्म कर दिया जाएगा, आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा, क्या ऐसा हुआ?... एसआईआर को लेकर जिस तरह का भ्रम फैलाया जा रहा है, वैसा ही उन्होंने सीएए के दौरान भी किया था।

> ये वो राजनीतिक दल हैं जो अकेले लड़ भी नहीं सकते। बिहार की पुरानी पार्टी आरजेडी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है, वो कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं।
> चिराग पासवान

तेजस्वी ने दिया था चुनाव के बहिष्कार की धमकी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पैदा विवाद के मद्देनजर उनकी पार्टी और उनके सहयोगियों के पास राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का ''विकल्प खुला'' है। इसके जवाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नेताओं ने दावा किया कि यादव की टिप्पणी से संकेत मिलता है कि विपक्षी दल ने हार मान ली है। विपक्ष के नेता ने मानसून सत्र के अंतिम पूर्व दिन राज्य विधानसभा के बाहर सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। यादव ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपना रुख कड़ा कर लिया। इससे कुछ ही मिनट पहले उन्होंने सदन को बताया कि वह ''वास्तव में एसआईआर के विरोधी नहीं हैं', लेकिन जिस तरीके से निर्वाचन आयोग यह प्रक्रिया अपना रहा है, उससे कई आशंकाएं पैदा हो रही हैं। यादव ने कहा, ''हम विधानसभा चुनावों के बहिष्कार का विकल्प खुला रख रहे हैं। समय आने पर, हम गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा के बाद कोई निर्णय लेंगे। एसआईआर के नाम पर जो कुछ हो रहा है, वह किसी धोखाधड़ी से कम नहीं है।

> हम विधानसभा चुनावों के बहिष्कार का विकल्प खुला रख रहे हैं। समय आने पर, हम गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा के बाद कोई निर्णय लेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मशीनों पर निर्भरता हटानी होगी

कभी वो भी वक्त था, जब लोग कई-कई मील पैदल चला करते थे या बैलगाड़ियों से दिन-रात का सफर तय करते थे। फिर आई एक 'दोपहिया मशीन' जो न तो धुएं का गुबार छोड़ती थी, न शोर मचाती थी और न ही चलाने वाले की जेब पर बोझ डालती थी। यह थी 'साइकिल', एक ऐसा साधारण, मितव्ययी लेकिन दूरदर्शी आविष्कार, जो न केवल गति को आम आदमी की पहुंच में ले आया, बल्कि स्वच्छ हवा और स्वास्थ्य के रास्ते भी खोले। वो समय, जब बच्चों से लेकर कामगार तक, दूध वालों से लेकर शिक्षकों तक, साइकिल हर गली-नुक्कड़ का हिस्सा थी, अब कहीं गुम होती जा रही है। मशीनों से मानव जीवन पर बहुत बुरा असर डाला है। पर अब लेकिन शायद यह वापसी का समय है क्योंकि जिस तेजी से हमारे शहरों की सड़कों पर गाड़ियां बढ़ी हैं, धुएं और ट्रैफिक के बीच जिस तरह हवा और स्वास्थ्य का दम घुटा है, उस सबके बीच साइकिल एक बार फिर से उम्मीद की रफ्तार बनती जा रही है। डेनमार्क और नीदरलैंड जैसे देश तो पहले से ही उदाहरण हैं, जहां आधी से ज्यादा आबादी रोजमर्रा के कामों के लिए साइकिल पर निर्भर है। कोपेनहेगन में तो लगभग 62 प्रतिशत लोग अपने दफ्तर और स्कूल साइकिल से जाते हैं। नीदरलैंड में करीब 2.3 करोड़ साइकिलें हैं जबकि वहां की जनसंख्या केवल 1.7 करोड़ के आसपास है।

यह उस सामाजिक और मानसिक स्वीकार्यता का संकेत है, जो तकनीक के बजाय तार्किकता को महत्व देती है। ऑल इंडिया साइकिल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) के अनुसार 2023-24 में संगठित क्षेत्र में साइकिलों की बिक्री 1.06 करोड़ इकाइयों तक पहुंची, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि की गई। असंगठित क्षेत्र की बिक्री 60-70 लाख इकाईयों के करीब रही। भारत साइकिल निर्माण के मामले में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है और उपभोग में तीसरे नंबर पर आता है। खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान जब सार्वजनिक परिवहन पर पाबंदियां थी, उस समय साइकिल एक बार फिर से जीवन की गति का साधन बनी। शहरों में तो 'साइकिल टू वर्क' और 'साइकिल डे' जैसे अभियानों ने नई पीढ़ी को भी इससे जोड़ने की कोशिश की। आज भी दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, मुंबई जैसे महानगरों में कई कंपनियों और संस्थानों ने अपने कर्मचारियों के लिए साइकिल सेवाएं शुरू की हैं। कहीं किराये पर साइकिल उपलब्ध कराई जा रही है तो कहीं स्मार्ट कार्ड सिस्टम के तहत पूरे शहर में साइकिल ट्रैक बिछाए जा रहे हैं। बात केवल परिवहन की नहीं है। स्वास्थ्य और फिटनेस का एक सहज और टिकाऊ उपाय भी है साइकिल। विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना केवल आधा घंटा साइकिल चलाने से न केवल वजन कम होता है बल्कि शरीर की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं और फेफड़ों तथा हृदय भी बेहतर होते हैं।

"मशीनों से मानव जीवन पर बहुत बुरा असर डाला है। पर अब लेकिन शायद यह वापसी का समय है क्योंकि जिस तेजी से हमारे शहरों की सड़कों पर गाडियां बढ़ी हैं, धुएं और ट्रैफिक के बीच जिस तरह हवा और स्वास्थ्य का दम घुटा है, उस सबके बीच साइकिल एक बार फिर से उम्मीद की रफ्तार बनती जा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कम्बोडिया-थाईलैंड संघर्ष और सुलह के सवाल

पुष्परंजन

भगवान शिव किसके हैं? उनकी आराधना से जुड़ा मंदिर किसका है? इसे लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ी और कुछ समय के लिए रुक गई। ट्रम्प इस जंग के रेफरी थे। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि एशिया में दो लड़ते देशों के बीच उन्होंने शांति स्थापना की है। पहले, भारत-पाकिस्तान, फिर ईरान-इस्त्राइल, और अब कम्बोडिया-थाईलैंड। व्हाइट हाउस ने पूरी दुनिया को सन्देश देने की कोशिश की है कि ट्रम्प की धमकी काम कर गई। मगर, मलेशिया और चीन ने भी दावा किया है, कि उनकी पहल पर थाई-कम्बोडिया के बीच शांति वार्ता संपन्न हुई। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया ने 'तत्काल और बिना शर्त' युद्धविराम पर सहमति जताई है। सोमवार को मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया स्थित प्रधानमंत्री अनवर के आवास पर थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने युद्धविराम वार्ता के लिए मुलाकात की थी।

हुन मानेट ने ट्रम्प की 'निर्णायक' भूमिका की भी प्रशंसा की और कहा कि हमारे देश और पड़ोसी थाईलैंड के बीच 'विश्वास और भरोसे का पुनर्निर्माण' होगा। थाईलैंड के फुमथम, जिन्होंने पहले मलेशिया में वार्ता से पहले कंबोडिया की ईमानदारी पर संदेह व्यक्त किया था, ने कहा, कि थाईलैंड युद्धविराम पर सहमत हो गया है, जिसे 'दोनों पक्षों द्वारा सद्भावनापूर्वक लागू किया जाएगा।' दक्षिण-पूर्व एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के बीच एक दशक से भी ज्यादा समय से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। लड़ाई शुरू होने के चार दिन बाद, रविवार तक, मृतकों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई, जिनमें थाईलैंड में 13 और कंबोडिया में आठ नागरिक शामिल हैं। रविवार को स्कॉटलैंड में पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने दोनों देशों को चेतावनी दी है कि अगर शत्रुता जारी रही, तो वाशिंगटन के साथ भविष्य के व्यापार समझौते निलंबित कर दिए जाएंगे। थाईलैंड और कंबोडिया 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करते हैं।

साल 1904 में पहली फ्रैंको-सायामी संधि हुई और दूसरी 1907 में फ्रांसीसी तृतीय गणराज्य और सियाम (वर्तमान थाईलैंड) के बीच हुई। इस संधि के तहत सियाम ने कंबोडिया के कुछ हिस्सों को फ्रांस को सौंप दिया, और फ्रांस ने सियाम को कुछ क्षेत्र वापस कर दिए। मगर, इस

सीमा निर्धारण में 11वीं सदी में खमेर राजाओं द्वारा निर्मित प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर परिसर आ चुका था। इस पर विवाद के क्रम में कंबोडिया ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय से मांग की थी कि वह इस मंदिर पर अधिकार का फैसला उसे दे, और थाईलैंड को साल 1954 से वहां तैनात अपने सैनिकों को हटाने का आदेश दे। 15 जून, 1962 को हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अंतिम निर्णय में कहा, कि साल 1904 की फ्रैंको-सायामी संधि के हवाले से एक संयुक्त सीमा-निर्धारण आयोग बनाया गया था, जिसके बनाए नक्शे में उस मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया था। न्यायालय को इसके भी प्रमाण मिले कि थाईलैंड ने वास्तव में उस नक्शे को स्वीकार किया था, कि प्रीह विहियर मंदिर कंबोडियाई क्षेत्र में आता है। लेकिन थाईलैंड पलट गया, और कोर्ट से कहा कि अगर स्वीकार किया, तो गलत धारणा में किया। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा, कि थाईलैंड को वहां तैनात अपनी सैन्य या पुलिस टुकड़ियों को हटाना होगा। 46 साल बाद, 7 जुलाई, 2008 को, प्रीह विहियर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, जिसमें इस मंदिर को कंबोडियाई क्षेत्र में माना गया। इसे लेकर थाईलैंड भड़क चुका था। यह मामला एकबार फिर हेग सुनवाई के लिए चला गया। पांच साल बाद, 2013 में दिये एक और फैसले में आईसीजे ने कंबोडिया का पक्ष लिया, जो थाईलैंड को मान्य नहीं था। बैंकॉक का कहना है कि उसने कभी भी अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं दी है, और वह द्विपक्षीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक प्रतिद्वंद्विता खेल, भोजन और पहनावे तक फैल गई।

थाई राष्ट्रवादी, कम्बोडिया को 'क्लेम्बोडिया' बोलते हुए, उसके द्वारा की गई 'सांस्कृतिक चोरी' की निंदा करते हैं, जबकि उनके खमेर समकक्षों ने उन्हें 'स्यामी चोर' करार दिया है। हालांकि, कंबोडिया में कई हिंदू प्रथाओं और प्रतिमाओं को बौद्ध परंपराओं में समाहित कर लिया गया, जिससे एक समन्वित धार्मिक परिदृश्य का निर्माण हुआ। यही परिणति हम थाईलैंड में देखते हैं। थाई भाषा में भगवान शिव को 'फ्रा सिवा', ब्रह्मा को 'फ्रा फ्रोम' और विष्णु को, 'फ्रा नाराई' बोलते हैं। लेकिन बौद्ध बहुल थाईलैंड में हिन्दू धर्म पनप नहीं पाया। थाईलैंड और कम्बोडिया, शिव को अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत समझकर नहीं लड़ रहे थे। यह 'तांडव' केवल सामरिक-ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थल को हथियाने को लेकर था!

खेल में उम्र और भाग्य का खेला

प्रदीप पत्रिका

हाल के दिनों में खेल मुकाबलों में दो ऐसे दृश्य देखने को मिले जो एक खिलाड़ी का दिल तोड़ने वाले भावावेशों के अलग-अलग रंग दर्शा गए। एक सीन था विंबलडन सेमीफाइनल का और दूसरा लॉर्ड्स टेस्ट मैच के रोमांचक अंतिम क्षणों का। विंबलडन सेंटर कोर्ट में नोवाक जोकोविच को यह अहसास होते हुए देखना कि खेल में हार प्रतिद्वंद्वी जैक सिनर की युवा ऊर्जा से ज्यादा उनकी अपनी उम्र और समय की वजह से हुई है, टेनिस प्रशंसकों के लिए एक दुखदायक पल था। जोकोविच, वह शख्स जिसने दुनिया को लचीलेपन और अजेयता का मतलब सिखाया, पराजय एकदम निश्चित लगने के बावजूद कभी हार न मानने वाला यह खिलाड़ी, उस दिन मैच खत्म होने से काफी पहले एक हारा हुआ जुआरी प्रतीत हो रहा था। उनकी फुर्ती सुस्त पड़ती दिखाई दी। वह बंदा जो मानो पाले में उड़ता हो, स्पीड-स्केटिंग करके असंभव लगने वाली गेंदों का भी पीछा करके शॉट लगा देता हो, अब उसे गेंद तक पहुंचने में मुश्किल हो रही थी।

असंभव कोणों से लगाए जाने वाले विनर शॉट्स की झड़ी छिटक चुकी थी। समय, जो तमाम जीवित चीजों का शाश्वत शत्रु है, ने सचमुच उन्हें शिथिल बना डाला था। उसके व्यथित चेहरे पर उस व्यक्ति का दु:ख झलक रहा था जिसने आसन्न मृत्यु देख ली हो और जिससे वापसी संभव नहीं। उस दिन जोकोविच को एक ऐसे व्यक्ति ने धूल चटाई जो युवा, तरोताजा, ऊर्जावान, शक्तिशाली और आत्मविश्वास से लबरेज था। सिनर के पैरों की चपलता, उसकी प्रहार शक्ति और प्रतिद्वंद्वी को निगल जाने की भूख, जो किसी प्रतिभाशाली, महत्वाकांक्षी, एकाग्रचित्त और महानता पाने के इच्छुक खिलाड़ी की पहचान होती है- इसको अनदेखा करना असंभव था। उन नाजुक क्षणों में जोकोविच ने महसूस किया होगा कि जीवन कितना नाजुक हो सकता है और अमरता केवल किस्से-कहानियों में ही हासिल की जा सकती है, भौतिक जगत में नहीं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में, वे इस नई वास्तविकता को मानने और स्वीकार करने के मूड में लगे।

एक सर्वोच्च धावक जोकोविच, जिन्होंने अपनी फुर्ती से कई बार रोजर फेडरर के जादुई कौशल पर पार पाया था और राफेल नडाल की लड़ाकू प्रवृत्ति को कुंद कर डाला था, अब शरीर को अपने आदेशों के मुताबिक चला नहीं पा रहे थे। अपने लंबे और शानदार टेनिस जीवन में पहली बार, उन्होंने अंत देखा था। मन अभी भी तैयार-बर-तैयार था, लेकिन वह शरीर जिसने 38 सालों तक दुनिया के कई प्रहारों और तीरों का सामना किया हो, उसने भी आखिरकार अपने हाथ खड़े कर दिए। हालांकि, उन्होंने वापसी का वादा किया, वे उस खेल से कैसे मुंह मोड़ सकते हैं, जिसने उन्हें उतना ही सहारा दिया, जितना खुद उन्होंने इस खेल को, उनको लेकर किसी को भी संदेह नहीं रहा कि वे एक गौरवशाली एवं चमकदार सूर्य की बजाय, अब एक डूबता हुआ सितारा हैं। टेनिस के विपरीत, जिसमें मैच का भाग्य और हार-जीत की जिम्मेदारी एक ही व्यक्ति के हाथ में होती है, क्रिकेट एक टीम आधारित खेल है जिसमें 22 लोगों का सामूहिक योगदान मैच का भाग्य तय करता है। भले ही यह टीम गेम हो, तथापि, इस खेल में किसी एक खिलाड़ी के प्रदर्शन का जश्न भी उतना ही मनाया जाता है जितना कि व्यक्तिगत खेलों में।

इंग्लैंड और भारत के बीच शृंखला का तीसरा मैच, लॉर्ड्स टेस्ट, जो पूरे पांच दिनों तक संगीत की धुन की तरह कभी बहुत ऊंचे तो कभी बिल्कुल धीमे सुरों की तरह चला, जिसने मैदान पर और इससे बाहर लाखों लोगों का ध्यान खींचा। कांटे के इस तीव्र मुकाबले ने जो अनेकानेक छवियां उत्पन्न कीं, उनमें एक थी जीवट वाले मोहम्मद सिराज के अंतिम बैटिंग क्षण, जब वे कूबड़ निकाल घुटनों के बल बैठे हुए हैं, पीछे विकेट से गिल्ली उड़ी पड़ी है, अटल इच्छाशक्ति का भाग्य के हाथों हार जाने का प्रतीक बना यह दृश्य स्मृति में छपा रहेगा। जोकोविच के विपरीत, हृष्ट-पुष्ट सिराज अपने कौशल के शिखर पर हैं। ऊर्जा से भरपूर और आक्रामक तेवरों से लैस सिराज बल्लेबाजों को क्रीज से उखाड़ने के लिए दौड़ते हुए, कभी हार न मानने वाले खिलाड़ी हैं। विपरीत परिस्थितियों में उनका प्रदर्शन और भी बेहतर हो जाता है। लॉर्ड्स मैदान में भी उन्होंने भारत के लिए अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जबरदस्त गेंदबाजी और फुर्तीला क्षेत्ररक्षण।

जब आखिरी क्रम में बल्लेबाजी करने आए, तब भारत को मैच जीतने के लिए 46 रनों की जरूरत थी, एक ऐसा लक्ष्य जो उनके लिए असंभव लग रहा था। लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक, सिराज ने रक्षात्मक बैटिंग कायम रखी, बाउंसर गेंदों से नीचे झुककर या पीठ पीछे की ओर मोड़कर निजात पाई, यहां तक कि कुछेक वार शरीर पर सहे, मानो किसी स्वर्ण कोष की रक्षा कर रहे हों, ताकि साथी बैट्समैन रवींद्र जडेजा को सलामत रखते हुए भारत को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया जा सके। ठीक उस वक्त जब ऐसा लगने लगा मानो चमत्कार होने ही वाला है, तब शोएब बशीर ने हाथ की हड्डी में चोट के बावजूद एक बेहद ओवर-स्पिनिंग गेंद फेंकी, जिसका सामना सिराज ने एक मंजे हुए बल्लेबाज की तरह किया। गेंद जमीन पर गिरी, तेजी से घूमते हुए इसने लेकिन अगला सफर जारी रखा और अनजान सिराज की पीठ के पीछे से होकर लेग स्टंप पर इतनी जोर से जा लगी कि उस पर टिकी गिल्ली उड़ गई। जैसे ही इंग्लैंड के खिलाड़ी जश्न मनाते हुए एक-दूसरे की ओर लपके, सिराज घुटनों के बल बैठ गए, उनकी आंखें जमीन पर गड़ी थीं, और अविश्वास एवं मायूसी में उनकी आंखों से आंसू टपक रहे थे। अगर जोकोविच को समय और उम्र ने हराया है, तो सिराज पर मौसम की मार पड़ी है, जिसका माध्यम बनी लेदर की एक बॉल और उसका अप्रत्याशित मार्ग, जिसने भारत को मुकाबले से बाहर कर डाला।

भुजंगासन

भुजंगासन पीठ की मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में असरदार योग हैं। पाचन, लिवर और किडनी के कार्यों में सुधार करने वाला योगासन माना जाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। छाती और फेफड़ों, कंधों और पेट की मांसपेशियों को फैलाता है। तनाव और थकान को दूर करने में मदद करता है। साइटिका की समस्या को कम करने में लाभदायक है। भुजंगासन का नियमित अभ्यास अस्थमा के लक्षणों को कम करता है। प्रजनन प्रणाली में सुधार करने के लिए इस अभ्यास का फायदेमंद माना जाता है। अनियमित मासिक धर्म की समस्या भी दूर होती है। ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से आपके चेहरे पर निखार आता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन मांसपेशियों को मजबूत करता है। इस आसन से पैरों, घुटनों, टखनों, बाहों और छाती को मजबूती मिलती है। यह आसन रीढ़ की हड्डी, कमर और कंधों को लचीला बनाता है। त्रिकोणासन के अभ्यास से पेट की मांसपेशियों पर खिंचाव डालता है, जिससे पाचन तंत्र में सुधार होता है। इस आसन के अभ्यास से खून में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और शरीर के कई अंगों को ज्यादा ऑक्सीजन मिलता है। यह आसन शरीर के संतुलन और स्थिरता को बेहतर बनाता है। त्रिकोणासन के अभ्यास से शरीर को सुडौल, मजबूर और लचीला बना सकते हैं।

शरीर की खूबसूरती बनाये रखने के लिए करें ये योगासन

गृहिणी हो या नौकरीपेशा, हर महिला की दिनचर्या बहुत व्यस्त होती है। घर, परिवार, काम और खुद की सेहत सब कुछ संभालना आसान नहीं होता। आमतौर पर महिलाएं अपने घर-परिवार की जिम्मेदारी और दफ्तर के काम के बीच खुद के स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर जाती हैं, जिसका असर उन्हें कई तरीकों से देखने को मिलता है। शरीर में दर्द, माइग्रेन की समस्या, तनाव और अनिद्रा की स्थिति के अलावा चेहरे की रौनक, झुर्रियां और निखार को वह खो देती हैं। एक 30 साल की महिला कामकाज में इतनी व्यस्त हो जाती है कि वह 45 साल की महिला दिखने लगती हैं। हालांकि महज योग महिलाओं को प्रभावित करने वाली कई स्वास्थ्य समस्याओं से निजात दिला सकता है। रोजाना सिर्फ 20 से 30 मिनट योगाभ्यास को समय देकर महिलाएं शरीर और मन दोनों में चमत्कारी बदलाव देख सकती हैं। कुछ योगासन तो खासतौर पर महिलाओं के शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। महिलाओं के लिए योग एक संपूर्ण चिकित्सा है, जिसमें हार्मोन बैलेंस से लेकर ग्लोइंग स्किन और शांत मन तक, सब कुछ संभव है।

पवनमुक्तासन

पवनमुक्तासन के नियमित अभ्यास से गैस, अपच और कब्ज की समस्या में राहत मिलती है। जो लोग पेट की चर्बी से परेशान हैं, उन्हें रोज सुबह पवनमुक्तासन का अभ्यास करना चाहिए। इससे अतिरिक्त वसा घटती है। पाचन तंत्र को सक्रिय बनाने और मेटाबॉलिज्म को मजबूत करने में यह आसन बहुत लाभकारी माना जाता है। यह आसन शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, जिससे समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है। पवनमुक्तासन के नियमित अभ्यास से पीठ और कमर के दर्द से छुटकारा मिलता है। इस आसन को जीवनशैली में शामिल करने से पेट दर्द खासकर महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान राहत मिलती है। पवनमुक्तासन शरीर को लचीला बनाता है, जिससे गतिशीलता में सुधार होता है। चूंकि इस आसन के अभ्यास से रक्त संचार बेहतर बनता है, इस कारण त्वचा स्वस्थ और चमकदार होती है।

नौकासन

नौकासन पेट की चर्बी को कम करने में मदद करता है। इस आसन के अभ्यास से पाचन में सुधार होता है। नौकासन का अभ्यास नियमित करने से तनाव और चिंता कम होती है। यह आसन पीठ, पेट, पैर और हाथ की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर के लचीलेपन में सुधार होता है। यह आसन संतुलन में सुधार करने में सहायक है। रीढ़ की हड्डी को खिंचाव देता है, जिससे लचीलापन बढ़ता है। नौकासन के अभ्यास से शरीर को ऊर्जा मिलती है।

हंसना मना है

एक अंकल ने एक बच्चे से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है... बच्चे ने जवाब दिया - अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं..

कर्मचारी - हेलो सर, मुझे आतंकवादियों ने पकड़ लिया है, दोनों हाथ काट दिए, आंख फोड़ दी, किडनी निकाल ली... बॉस - देख ले... हो सके तो आजा, आज ऑडिट है...

एक औरत ने अपनी पड़ोसन से पूछा- क्या तुम्हें ऐसा आदमी पसंद है, जिसके सारे बाल सफेद हों और डाई करके जवान बनने की कोशिश करता हो... चार कदम चलने पर जिसकी सांस फूल जाती हो, दफ्तर से घर आकर शराब पीना शुरू कर देता हो ... पड़ोसन - नहीं, हरगिज नहीं.... भला ऐसे मर्द को कौन औरत पसंद करेगी... औरत- तो फिर मेरे पति के पीछे क्यों पड़ी हो...

एक हवाई जहाज तूफान में फंस गया... पायलट बोला- किसी को बचने की दुआ आती है क्या... एक बाबा बोले- हां, मुझे आती है... पायलट - ठीक है बाबा, आप दुआ कीजिए, क्योंकि एक पैराशूट कम है... बाबा बेहोश...

कहानी | बुद्धि से भरा बर्तन

एक बार राजा अकबर और बीरबल के बीच कुछ मनमुटाव हो गया। राजा ने बीरबल को राज्य से दूर जाने की सजा दे दी। बीरबल ने अन्य गांव जाकर वेश बदलकर खेती करना शुरू किया। अब वह एक किसान के रूप में अपना जीवन गुजारने लगे। शुरू में अकबर के लिए सब कुछ सामान्य सा था, लेकिन कुछ ही दिन बीते थे कि राजा को अपनी गलती का एहसास होने लगा। वह बीरबल को याद करने लगे थे। जब भी कोई परेशानी आती तो उन्हें बीरबल की कमी खलती। एक दिन अकबर ने अपने सेनापति को बुलाया और उन्हें बीरबल को ढूंढ लाने का आदेश दिया। सभी सैनिकों ने हर एक कोना छान मारा, लेकिन वे बीरबल को ढूंढ न सके। राजा बड़े निराश हुए। अब बीरबल से मिलने की उनकी बेचैनी और बढ़ने लगी थी। अचानक राजा के मन में एक उपाय आया। उन्होंने आदेश दिया कि सभी गांव के मुखिया को एक बर्तन के अंदर बुद्धि डालकर राजा को भेजना होगा। जो भी इस आदेश को पूरा नहीं करेगा, उसे इसके बदले एक बर्तन में हीरे जवाहरात भरकर राजा को भेजना पड़ेगा। सभी गांववासी राजा के इस अजीबो-गरीब आदेश को सुनकर परेशान थे। सभी यह सोचकर हैरान थे कि बुद्धि को किस तरह एक बर्तन में भरा जाए। यह सोचकर सभी परेशानी में थे। वहीं, जिस गांव में बीरबल रह रहे थे, वहां भी राजा का यह आदेश चर्चा का विषय बना हुआ था। गांव के सभी बड़े-बुजुर्ग निराश होकर बैठे हुए थे कि वहां बीरबल ने कहा कि वह इस समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। पहले तो किसी को भी इस बात का यकीन नहीं हुआ, लेकिन उनके पास बीरबल पर विश्वास करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। उस वक्त गांव में तरबूज की फसल उगाने का समय था। बीरबल ने तरबूज के पौधे की एक बेल को एक बर्तन में डाला। धीरे-धीरे उस बेल में तरबूज का फल लगने लगा। जैसे ही बर्तन तरबूज से पूरा भर गया, बीरबल ने बेल को फल से अलग किया और उस बर्तन को तरबूज समेत राजा के दरबार में भिजवा दिया। साथ में यह संदेश भी भेज दिया कि उस बर्तन के अंदर बुद्धि भरी है और राजा को बर्तन को बिना तोड़े ही बुद्धि को निकालना होगा। जैसे ही राजा ने तरबूज से भरा हुआ बर्तन देखा और उसे निकालने की शर्त सुनी तो उन्हें यकीन हो गया कि ऐसा विचार केवल बीरबल का ही हो सकता है। उन्होंने जल्दी से अपना घोड़ा मंगवाया और बीरबल को अपने साथ वापिस लाने के लिए गांव की ओर चल दिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कर्क

आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा।

कन्या

दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक

व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु

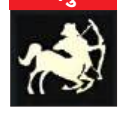

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन

आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने कई चीजें देखी और झेली हैं लेकिन कभी मुंह नहीं खोला : तृप्ति

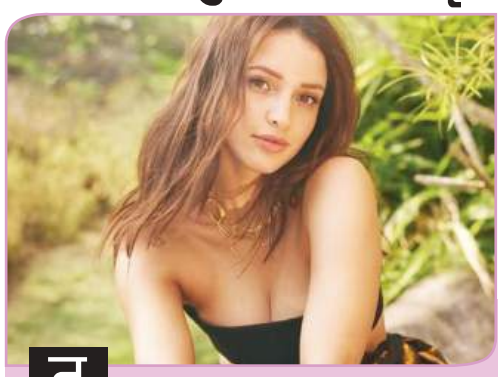

तृप्ति डिमरी अपनी आने वाली फिल्म धड़क 2 की प्रमोशन में जुटी हैं। फिल्म रिलीज के लिए तैयार है, इसमें वो एक बेबाक लड़की विधि का किरदार निभा रही हैं, जो जाति अंतर के बावजूद अपने प्यार को पाने के लिए लड़ती है। उन्होंने बताया कि इस कैरेक्टर का उनपर गहरा असर पड़ा है। वो ख्वाहिश करती हैं कि काश वो रियल लाइफ में विधि जैसी बन सकें। तृप्ति ने बताया कि वो रियल लाइफ में इंट्रोवर्ट हैं। वो खुलकर अपनी फीलिंग एक्सप्रेस नहीं कर पाती है। हर बात को अपने मन में ही रखती हैं। एक्ट्रेस ने कई चीजें देखीं और झेली हैं लेकिन कभी उनका विरोध नहीं किया। तृप्ति ने कहा कि, जैसे विधि अपना सच बोलने से कभी नहीं डरती। उससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है क्योंकि वो आपको सशक्त महसूस कराती है। मैं खुद एक इंट्रोवर्ट (अंतर्मुखी) रही हूं। मैंने बहुत कुछ झेला है और देखा है, लेकिन कभी आवाज नहीं उठाई। मैंने अपनी जिंदगी के 30 साल बहुत-सी बातों पर चुप रहकर बिता दिए। तृप्ति ने आगे कहा कि, मेरे पास कभी हिम्मत नहीं थी लोगों को बताने की कि कुछ गलत है। मैंने शाजिया (फिल्म की डायरेक्टर) से कहा कि मैं विधि जैसी बनना चाहती हूं। इस फिल्म के अंत तक मुझे अपनी सच्चाई बिना डरे बोलने की हिम्मत आ जानी चाहिए, चाहे कोई भी अंजाम हो। अब मैं सही बातों के लिए खड़ी हो जाती हूं। इस फिल्म ने मुझे खुद को और खुलकर व्यक्त करने में मदद की है। शाजिया इकबाल के डायरेक्शन में बनी धड़क-2, 1 अगस्त को रिलीज होने वाली है। ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म धड़क की स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही है और तमिल फिल्म परीयेरुम पेरुमाल का रीमेक है। इसके अलावा, तृप्ति डिमरी के पास और भी कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म शाहिद कपूर के साथ, और संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट प्रभास के अपोजिट शामिल हैं।

अर्जुन बाजवा को डेट रही हैं सारा अली खान!

मेट्रो इन दिनों की सक्सेस के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। हालांकि इस बार वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सारा शोबिज से दूर शांति के पल गुजार रही हैं। वो भी अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ।

एक्ट्रेस हाल ही में अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ गुरुद्वारे में स्पॉट हुईं। एक्ट्रेस का वीडियो सामने आया जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। वीडियो में सारा के साथ अर्जुन के अलावा कोई और दोस्त या करीबी नजर नहीं आया। इस वीडियो ने दोनों के सीक्रेट डेटिंग की अफवाहों को और जोर दे दिया है।

पैपराजी पेज पर शेयर किए गए वीडियो में सारा सफेद सूट में बेहद सिंपल लुक में दिखाई दीं। सिर पर दुपट्टा ओढ़े एक्ट्रेस का सादगी भरा अंदाज फैंस का दिल जीत ले गया। सारा गुरुद्वारे में जाते हुए दिखीं। उनके पीछे उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड अर्जुन प्रताप बाजवा भी नजर आए। दोनों के डेट करने की लंबे समय से चर्चा है। हालांकि दोनों ने साथ में पोज देते नहीं देखा गया, लेकिन फैंस ने कमेंट सेक्शन में उन्हें बेस्ट जोड़ी कहकर खूब सराहा। दोनों को साथ में देखने की इच्छा जताई। वहीं, कुछ लोगों ने प्राइवेसी की कमी पर भी सवाल उठाए और इस बात पर चिंता जताई कि इस तरह से किसी का चुपके से वीडियो बनाना ठीक नहीं। वो सेलेब्रिटी हैं, उनकी सेफ्टी का ध्यान रखना चाहिए। सारा और अर्जुन के डेटिंग की अफवाहें सबसे पहले अक्टूबर 2024 में तब शुरू हुईं जब दोनों साथ केदारनाथ दर्शन करने पहुचे थे। केदारनाथ से सारा को बहुत लगाव है वो अक्सर वहां जाती हैं। इसके बाद, दिसंबर में दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट्स ने भी इस चर्चा को और जोर दिया। सारा-अर्जुन के इंस्टा पोस्ट को देखकर कहा गया कि दोनों राजस्थान में एक साथ छुट्टियां मना रहे थे। दोनों ने एक ही लोकेशन से अपनी-अपनी फोटोज शेयर की थी। हालांकि दोनों ने ही अभी तक अपनी डेटिंग की चर्चाओं पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। लेकिन फैंस का मानना है कि सारा-अर्जुन सीक्रेट रिलेशनशिप में हैं और इसे वक्त आने पर ही ऑफिशियल करेंगे।

बॉलीवुड | मसाला

ठंडे बस्ते में गई अनुष्का शर्मा की फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस'

अनुष्का शर्मा ने जब बेटी वामिका के जन्म के दो साल बाद कोविड के दौरान अपनी पहली ओटीटी रिलीज फिल्म चकदा एक्सप्रेस की घोषणा की थी, तो फैंस के चेहरे खिल उठे थे। हालांकि, 7 साल बाद भी ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज नहीं हुई है।

फैंस को एक आस थी कि ये फिल्म देर-सवेर ये फिल्म आ ही जाएगी, लेकिन अब उनके इन अरमानों पर भी पानी फिर गया है। पिछले कुछ दिनों से अनुष्का की चकदा एक्सप्रेस के ठंडे बस्ते में जाने की खबर सामने आ रही है। इस फिल्म में हम आपके हैं कौन में सलमान की भाभी का किरदार निभा चुकी एक्ट्रेस भी काम कर रही थीं, जिन्होंने हाल ही में मूवी के शेल्व होने पर रिएक्ट किया है।

बीते दिनों दुपहिया सीरीज में धड़कपुर की सरपंच का किरदार निभाने वाली रेणुका शहाणे भी अनुष्का शर्मा की फिल्म चकदा एक्सप्रेस में अहम भूमिका निभा रही थीं। हाल ही में उन्होंने फिल्म के ठंडे बस्ते में जाने पर एनडीवी से खास बातचीत करते हुए कहा, मुझे ये नहीं पता था, मैं ये जानकर बहुत शॉक्ड हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, रेणुका शहाणे ने फिल्म पर आगे बात करते हुए कहा, झूलन गोस्वामी आइकॉनिक हैं, जिन्होंने एक गरीब परिवार से होने के बावजूद, जिन्होंने बहुत बड़ी सफलता हासिल की। मैन और वुमन क्रिकेट के बीच आज भी जो अंतर है, उसके बीच में उन्होंने अपनी एक अलग छाप छोड़ी है, मैं बस यही कहना चाहती हूं कि स्पोर्ट्समैनशिप क्या होती है, वही चकदा एक्सप्रेस का कोर है।

आपको बता दें कि अनुष्का शर्मा फिल्म में महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी का किरदार मूवी में अदा करने वाली थीं। उन्होंने इस किरदार में खुद को ढालने के लिए झूलन गोस्वामी के बॉडी लैंग्वेज से लेकर उनके क्रिकेट खेलने के अंदाज तक, हर मूवी को बेहतरीन तरीके से पकड़ा था। मूवी के ठंडे बस्ते में जाने की खबर ने सिर्फ रेणुका का ही नहीं, बल्कि फैंस के दिलों के भी 100 टुकड़े कर दिए हैं।

अजब-गजब | नागराज का डर या आस्था?

जबलपुर के इस गांव में नाग पंचमी पर नहीं पकता खाना, मंदिर में जुटते हैं लोग

जबलपुर। एमपी अजब है और सबसे गजब है, दरअसल आज नाग पंचमी है। ऐसे में कहानी जबलपुर के उस गांव की, जहां ग्रामीणों की यह परंपरा प्रदेश भर में सुर्खियों में है, जहां एमपी के इस गांव के मालिक नागराज हैं, जहां नाग के दहशत से नाग पंचमी के दिन गांव के किसी भी घर में चूल्हा नहीं जलाया जाता, बल्कि पूरा गांव मंदिर में जाकर इकट्ठा हो जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं। जबलपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर पाटन के कांटी गांव की। आजादी के पहले से एक अनोखी परंपरा वर्षो से चली आ रही है। जहां नाग पंचमी के दिन पूरा गांव जन बच्चें से लेकर बूढ़े तक नाग देवता के मंदिर में सुबह से ही इकट्ठा हो जाता है। जहां सभी गांव के लोग अपने-अपने घरों से कंडे और लकड़ी लाते हैं और गक्कड़ भर्ता बनाते हैं। इसके बाद भोलेनाथ को प्रसाद रूप चढ़ाया जाता है फिर पूरा गांव मिलकर भोजन स्वरूप ग्रहण करता है।

ग्रामीण रमन सिंह बताते हैं। गांव में चूल्हा ना जलने की परंपरा वर्षो से चली आ रही है हालांकि इस परंपरा को तोड़ने का प्रयास भी किया गया था, लेकिन जैसे ही गांव की एक महिला ने घर में जाकर गैस से भोजन बनाने के बारे में सोचा। इसी दौरान गैस के नजदीक नाग राज निकल आए। इसके बाद से ही गांव में हड़कंप मच गया। तब से लेकर आज तक पूरा गांव इकट्ठा हो जाता है। जहां नाग पंचमी के दिन घर में भोजन करना वर्जित होता है।

ग्रामीणों का कहना है कांटी गांव के लोग नाग देवता को ही अपना इष्ट देव मानते हैं। जहां गांव की जमींदार को नाग देवता माना जाता है। इस मंदिर को ठाकुर बाबा के नाम से भी जाना जाता है। नाग देवता के नाराज होने के चलते ग्रामीण मंदिर प्रांगण में इकट्ठा होते हैं और गक्कड़, गुड़,मंदिर में पूजन-अर्चन ग्रामीणों का कहना है कांटी गांव के लोग नाग देवता को ही अपना इष्ट देव मानते हैं। जहां गांव की जमींदार को नाग देवता माना जाता है। इस मंदिर को ठाकुर बाबा के नाम से भी जाना जाता है। नाग देवता के नाराज होने के चलते ग्रामीण मंदिर प्रांगण में इकट्ठा होते हैं और गक्कड़, गुड़, शक्कर मलीदा और अचार को भोजन स्वरूप ग्रहण करते हैं। बहरहाल मध्यप्रदेश के इस अनोखे गांव की परंपरा देखते ही बनती है, जहां नाग पंचमी के अवसर पर भक्तों का जन सैलाब उमड़ता है। शक्कर मलीदा और अचार को भोजन स्वरूप ग्रहण करते हैं। बहरहाल मध्यप्रदेश के इस अनोखे गांव की परंपरा देखते ही बनती है, जहां नाग पंचमी के अवसर पर भक्तों का जन सैलाब उमड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कांटी गांव के लोग नाग देवता को ही अपना इष्ट देव मानते हैं। जहां गांव की जमींदार को नाग देवता माना जाता है। इस मंदिर को ठाकुर बाबा के नाम से भी जाना जाता है। नाग देवता के नाराज होने के चलते ग्रामीण मंदिर प्रांगण में इकट्ठा होते हैं और गक्कड़, गुड़, शक्कर मलीदा और अचार को भोजन स्वरूप ग्रहण करते हैं। बहरहाल मध्यप्रदेश के इस अनोखे गांव की परंपरा देखते ही बनती है, जहां नाग पंचमी के अवसर पर भक्तों का जन सैलाब उमड़ता है।

कई मुस्लिम देशों में लोग कर रहे हैं ऊंट की यूरिन का सेवन

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो ने सनसनी मचा दी है, जिसमें एक हेल्थ एक्सपर्ट ने खुलासा किया कि कई मुस्लिम देशों में लोग ऊंट का पेशाब दवा समझकर पी रहे हैं। यह प्रथा, जो कुछ धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं से जुड़ी है, स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य विशेषज्ञों ने इसे लेकर सख्त चेतावनी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि ऊंट का पेशाब पीना ना केवल बेकार है, बल्कि यह जानलेवा बीमारियों जैसे (मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) और ब्लूसेलोसिस का कारण बन सकता है। इस वीडियो में बताया गया कि अरब प्रायद्वीप, खासकर सऊदी अरब, यमन और अन्य मुस्लिम देशों में कुछ लोग ऊंट के पेशाब को कैंसर, हेपेटाइटिस और त्वचा रोगों जैसी बीमारियों का इलाज मानते हैं। कुछ का दावा है कि यह असाध्य रोगों को ठीक कर सकता है। यह मान्यता एक हदीस से प्रेरित है, जिसमें पैगंबर मुहम्मद ने कुछ बीमार लोगों को ऊँट का दूध और पेशाब पीने की सलाह दी थी। हालांकि, आधुनिक वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस प्रथा को गलत और खतरनाक बताया है। WHO ने 2015 में MERS के प्रकोप के दौरान स्पष्ट रूप से ऊंट के कच्चे दूध या पेशाब के सेवन से बचने की सलाह दी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, ऊंट का पेशाब बैक्टीरिया, वायरस और अन्य हानिकारक पदार्थों से भरा हो सकता है। 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि ऊंट के पेशाब में कोई महत्वपूर्ण चिकित्सीय लाभ नहीं है और दो कैंसर रोगियों में कच्चा पेशाब पीने से ब्लूसेलोसिस जैसी गंभीर बीमारी हो गई। इसके अलावा, ऊंट MERS-CoV वायरस का वाहक है, जो मनुष्यों में 35 प्रतिशत मृत्यु दर के साथ गंभीर श्वसन रोग का कारण बनता है। सऊदी अरब में 2015 में MERS के बढ़ते मामलों के पीछे ऊंट के पेशाब के सेवन को एक संभावित कारण माना गया था। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली है। कुछ यूजर्स ने इसे धार्मिक मान्यताओं का हिस्सा बताकर समर्थन किया, जबकि अन्य ने इसे घिनौना और अवैज्ञानिक करार दिया। एक यूजर ने लिखा, यह 21वीं सदी है, फिर भी लोग ऐसी खतरनाक प्रथाओं पर विश्वास कर रहे हैं। पर्यावरणविदों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऊंट का पेशाब ना केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह समुद्री और पर्यावरणीय प्रदूषण को भी बढ़ा सकता है, क्योंकि इसका उत्पादन और उपयोग अनियंत्रित है।

नोएडा में किसानों की महापंचायत

» नए भूमि कानून और अन्नदाताओं की दूसरी परेशानियों को दृष्टिगत कर रहे हैं महापंचायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कूच के एलान के बाद आज नोएडा में किसान महापंचायत के लिए किसान संगठन इक्टठा हो रहे हैं। आज की महापंचायत को देखते हुए प्रशासन एलर्ट मोड पर है ट्रैफिक डायवर्जन को लागू किया गया है। नोएडा में बच्चों के स्कूलों को बंद कर दिया गया है और महापंचायत को देखते हुए प्रशासन ने हेल्पलाइन नम्बर को जारी किया है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के करीब 8 जगहों पर भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। ट्रैफिक पुलिस की संख्या में बढ़ाई जाएगी।

सुबह से जाम ही जाम आठ स्थानों पर भीड़

प्रशासन एलर्ट मोड पर

असुविधा से बचने के लिए एडवाइजरी जारी

हरौला बारात घर, सेक्टर-5 नोएडा, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण, जीरो पॉइंट, गलगोटिया अंडरपास, सलारपुर अंडरपास, जेपी स्पोर्ट्स गेट के सामने, साबौता अंडरपास, ग्राम शाहदरा और सेक्टर-142 में डायवर्जन लागू किया जएगा। लोगों को असुविधा से बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। डीसीपी ने कहा कि इस दौरान आपातकालीन सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हें बिना किसी रुकावट के गंतव्य तक भेजा जाएगा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 30 जुलाई को सुबह से ही विभिन्न रूटों पर लोगों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए नोएडा पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्जन एडवाइजरी जारी की है। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की है। डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह यादव का कहना है कि किसान महापंचायत को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन एडवाइजरी जारी की गई है।

भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने की मांग

नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन समेत कई किसान संगठनों के पदाधिकारी बुधवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर किसान महापंचायत करेंगे। यह जानकारी किसान नेता सुनील चौधरी ने दी। उन्होंने बताया कि महापंचायत को लेकर पिछले एक हफ्ते से गांवों में बैठकें हो रही हैं। आगे की रणनीति बनाकर उसकी घोषणा की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

वैकल्पिक मार्गों का करें प्रयोग : डीसीपी ट्रैफिक

डीसीपी ट्रैफिक ने जिले के लोगों से अपील की है कि वे बुधवार को जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। अगर इसके बाद भी लोगों को ट्रैफिक संबंधी किसी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो उनके लिए हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर जारी किया गया है। ट्रैफिक संबंधी समस्या होने पर लोग इस हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

खून और क्रिकेट एक साथ कैसे : पवन खेड़ा

» प्रधानमंत्री मोदी डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेने से डर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर जवाब दिया। इस पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने ने कहा है कि प्रधानमंत्री झूठ बोलते हैं, उन्हें बताना चाहिए कि सबसे पहले सीजफायर पर पोस्ट किसका आया था? ट्रंप का आया था, क्यों आया था, पता नहीं। प्रधानमंत्री ने पहले पोस्ट क्यों नहीं किया? उन्हें बताना चाहिए था, उनके पास कोई जवाब नहीं है, प्रधानमंत्री ट्रंप का नाम लेने से डर रहे हैं।

पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम में आतंकी घुसे कैसे? कौन जिम्मेदार है? अमेरिका की तरफ से कैसे सीजफायर की घोषणा हुई? आपने एक बार भी यह कहने की हिम्मत नहीं की कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। क्यों कोई भी एक देश पाकिस्तान की निंदा नहीं कर रहा है। आपकी विदेश नीति ने क्या हासिल कर लिया? खेड़ा ने कहा कि बयानबाजी से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर चल रहा है तो भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच क्यों खेलने की तैयारी है? जिस देश के आप खिलाफ हैं, उस देश के साथ क्रिकेट मैच खेलेंगे। जय शाह का मोह है, जिससे क्रिकेट भी चलेगा। भाजपा कहती है कि ट्रेड और टेरर साथ नहीं चलेगा, खून-पानी साथ नहीं बहेंगे। खून और क्रिकेट साथ-साथ कैसे चल सकते हैं?

आशा और ममता वर्कर्स का मानदेय बढ़ाने पर सियासत

» तेजस्वी यादव का पलटवार कहा- सिर्फ नकल कर रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में आशा और ममता वर्कर्स का मानदेय बढ़ाने पर राजनीति शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इन वर्कर्स के लिए मानदेय बढ़ाने की घोषणा के बाद राजद के नेता तेजस्वी यादव ने सरकार को आड़े हाथों लिया है और इसका श्रेय खुद की पूर्ववर्ती पहल को दिया है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए नीतीश सरकार को नकलची, थकी-हारी और दृष्टिहीन बताया। उन्होंने दावा किया कि जब वह 17 महीने तक उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री रहे, उस दौरान आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में थी लेकिन सरकार ने तब निर्णय नहीं लिया।

राजद प्रमुख ने कहा ये निकम्मी एनडीए सरकार उस पर भी दो साल से कुंडली मार कर बैठी रही। अब आखिरकार इन्हें आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की हमारी इस मांग के सामने भी झुकना ही पड़ा।

सरकार ने मांग को पूर्णरूप से लागू नहीं किया है

राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने यह मांग पूर्णरूपेण लागू नहीं की है। उन्होंने कहा कि वर्कर्स को प्रोत्साहन राशि नहीं, बल्कि मानदेय मिलना चाहिए और हम इन्हें मानदेय देंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार अब आंगनवाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं और रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को भी मजबूरन स्वीकार करने के लिए बाध्य होगी। वहीं तेजस्वी यादव ने कटाक्ष करते हुए लिखा, हमारी मांगों, घोषणाओं, वादों, इरादों और दावों को देखकर इस नकलची, थकी-हारी, दृष्टिहीन और विजन रहित सरकार का डर देखकर अच्छा लगता है। ये डर अच्छा है, लेकिन 20 साल तक क्या ये मूंगफली छील रहे थे? उन्होंने सवाल पूछा और कहा, यही सरकार, इनके नेता-मंत्री और अधिकारी जो हमारी घोषणा का मखौल उड़ाते थे, वो अब सत्ता जाते देख दौड़ रहे हैं।

जनता का सरकार से विश्वास उठ गया है

» ऑपरेशन सिंदूर पर गरजे उद्धव ठाकरे, ऑपरेशन महादेव पर भी उठाये सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन महादेव पर सवाल उठाए हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी ने दावा किया कि सरकार ने विपक्ष के सवालों की बौछार से बचने के लिए सुलेमान जैसे मामले को गढ़ा है। यह आतंकी पहलगाम हमले में शामिल था। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा है कि भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर को एक राजनीतिक तमाशा बनाया है। पार्टी ने यह भी कहा कि भाजपा का हिंदुत्व और देशभक्ति सिर्फ पाखंड है। शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया गया है कि लोगों का सरकार से विश्वास उठ गया है। शिवसेना-यूबीटी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान का हवाला दिया और पूछा, क्या सरकार पहलगाम में मारे गए 26 लोगों के घर जाकर उन्हें बता सकती है कि हमने बदला ले लिया है?

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानियों को चेतावनी दी थी कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे, लेकिन जय शाह की कृपा से भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच जरूर होने वाला है। इस पर अमित शाह का क्या कहना है? विपक्ष के सदस्यों जैसे गौरव गोगोई, अरविंद सावंत, सुप्रिया सुले और ओवैसी ने सरकार की सुरक्षा में चूक और ऑपरेशन सिंदूर के परिणाम पर गंभीर सवाल उठाए, लेकिन पीएम मोदी लोकसभा में विपक्ष के सवालों का सामना करने के बजाय अपने कक्ष में बैठे रहे। शिवसेना-यूबीटी ने पूछा, प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि राजनाथ सिंह और जयशंकर ने बेहतरीन भाषण दिए। तो क्या भाजपा और उनके मंत्रिमंडल के लोगों के पास विपक्षी नेताओं की तारीफ करने के लिए स्याही खत्म हो गई है? जो लोग यह कहकर कि हम पीओके के लिए जान दे देंगे, बड़ी-बड़ी डींगे हांक रहे थे, वे पीओके के भारत में विलय का अवसर आने पर युद्ध के मैदान से भाग गए और क्रिकेट के मैदान में पाकिस्तानियों के साथ खेलने लगे। यह देशद्रोह है और ऐसे लोगों का कोर्ट मार्शल होना चाहिए।

सेना के पराक्रम का महत्व कम कर रहे हैं यह लोग

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मुताबिक बीजेपी युद्ध में भी भावनात्मक राजनीति और हिंदुत्व ले आए। भारत में पहले ऑपरेशन विजय और ऑपरेशन पराक्रम जैसे सफल अभियान चलाए गए थे, लेकिन 'ऑपरेशन महादेव' और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे भावनात्मक खेल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में शुरू हुए। इससे सेना के पराक्रम का महत्व कम हुआ है। भारत-पाकिस्तान युद्ध में पांच जेट गिराए गए, डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर शिवसेना-यूबीटी ने कहा, राजनाथ सिंह संसद में इस पर बोल नहीं पाए। उन्होंने गोलमोल जवाब दिए।

भारत पर सीरीज बराबरी पर खत्म करने का दबाव

» ओवल में कल से खेले जाने वाले अंतिम मैच में दो बदलाव तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केनिंग्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच केनिंग्टन ओवल में कल से पांचवें टेस्ट की शुरुआत होगी। इस मैच को टीम इंडिया के लिए जीतना बेहद जरूरी है। इंग्लैंड के पास सीरीज में 2-1 से लीड है। अब भारत की निगाहें अंतिम मुकाबला जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने पर होंगी। इंग्लैंड ने पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से अपने नाम किया था, जिसके बाद टीम इंडिया ने पलटवार करते हुए दूसरा मुकाबला 336 रन के अंतर से जीत लिया।

इसके बाद टीम इंडिया के पास तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करने का मौका था, लेकिन इससे चूक गई। इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट 22 रन के करीबी अंतर से अपने नाम किया। मेजबान टीम ने मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए विशाल स्कोर बनाया, लेकिन मेहमान टीम ने मुकाबला ड्रॉ करवाने में कामयाबी हासिल की। पांचवें टेस्ट से अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर की छुट्टी तय मानी जा रही है। हालांकि, वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा पिछले मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं, इसे देखते हुए उन्हें बाहर नहीं किया जाएगा। भारतीय टीम को बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों से खासा उम्मीद है। ऋषभ पंत चौथे टेस्ट में चोटिल हुए थे। उनके स्थान पर एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में ध्रुव जुरेल को मौका मिलना तय नजर आ रहा है।

अर्शदीप कर सकते हैं डेब्यू

जसप्रीत बुमराह के आखिरी टेस्ट मैच खेलने पर सस्पेंस है। अगर बुमराह इस निर्णायक टेस्ट में नहीं खेलते, तो मोहम्मद सिराज पेस अटैक को लीड करते नजर आएंगे। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो वह भी उनका साथ दे सकते हैं। तीसरे पेसर के तौर पर अर्शदीप सिंह को डेब्यू का मौका मिल सकता है। केनिंग्टन ओवल की पिच स्पिन फ्रेंडली मानी जाती है। ऐसे में कुलदीप यादव को प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है। यह गेंदबाज नेट सेशन में जमकर पसीना बहाता नजर आ चुका है।

कुदरत का कहर, कामचटका में 8.7 तीव्रता का आया भूकंप

प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी की चेतावनी, खतरे में हवाई और जापान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका में देर रात 8.7 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण यूएसजीएस के मुताबिक भूकंप का केंद्र पेत्रोपावलोव्स्क कामचत्स्की शहर से 125 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में अवाचा खाड़ी के पास 19.3 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे सतह पर जोरदार झटके महसूस किए गए।

हालांकि यूएसजीएस ने पहले भूकंप की तीव्रता 8.0 बताई थी, लेकिन बाद में नए आंकड़ों के अनुसार इसे 8.7 कर दिया गया। इस शक्तिशाली भूकंप के बाद प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रशांत महासागर में आए भीषण भूकंप के कारण हवाई में सुनामी की चेतावनी दी गई है। अलास्का और अमेरिका के प्रशांत तटीय क्षेत्रों पर निगरानी जारी है। जापान भी खतरे में है। उन्होंने लोगों से अपडेट लेने और सतर्क रहने की अपील की।

यूएसजीएस का कहना है कि भूकंप के तीन घंटे के भीतर रूस और जापान के तटीय इलाकों में विनाशकारी सुनामी लहरें पहुंच सकती हैं। इसलिए लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। कामचटका क्षेत्र में कई इमारतों में दरारें पड़ने और फर्नीचर हिलने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कुछ इलाकों में इमारतों और आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, नुकसान का पूरा आकलन अभी नहीं हो पाया है। लोगों में दहशत का माहौल है और कई परिवार अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर रवाना हो गए हैं। रूस और उसके पड़ोसी देशों में आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं और भूकंप के बाद आने वाले झटकों की भी आशंका जताई जा रही है।

प्रशांत रिंग आफ फायर पर स्थित है कामचटका

कामचटका क्षेत्र भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है क्योंकि यह प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित है। यह वह इलाका है जहां टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल के कारण अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। फिलहाल स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने, सिर्फ आधिकारिक और भरोसेमंद स्रोतों से ही जानकारी लेने की अपील की गई है।

पहाड़ों पर जबर्दस्त बारिश, अमरनाथ यात्रा स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण आज एक दिन के लिए श्री अमरनाथ यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि पहलगाम और बालटाल बेस कैंप से यात्रा को फिलहाल रोका गया है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक्स पोस्ट में लिखा पहलगाम और बालटाल से श्री अमरनाथजी यात्रा एक दिन के लिए स्थगित। पहलगाम और बालटाल दोनों आधार शिविरों से श्री अमरनाथजी यात्रा 30 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि 30 जुलाई की सुबह से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण, बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी दोनों आधार शिविरों से यात्रा शुरू नहीं हो पाई है। श्री अमरनाथजी यात्रा 2025 के दौरान अब तक 3.93 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं।

इसके अलावा, एक अन्य एक्स पोस्ट में यह भी जानकारी दी गई कि 31 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर यात्रा शिविर से भी कोई यात्री जत्था रवाना नहीं होगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने डिविजनल कमिश्नर जम्मू रमेश कुमार के हवाले से बताया कि यात्रा मार्गों पर खराब मौसम को देखते हुए 31 जुलाई को कोई भी जत्था बालटाल या नुनवान आधार शिविर की ओर नहीं भेजा जाएगा। क्षेत्र में भारी बारिश के कारण आधार शिविरों से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित हुई है।

अब ट्रंप ने दी रूस को टैरिफ की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए 10 दिन की समय सीमा दी है। यह घोषणा उन्होंने स्कॉटलैंड की यात्रा से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में की। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर रूस 10 दिन में युद्धविराम पर सहमत नहीं होता, तो अमेरिका रूस पर कड़े टैरिफ और अन्य प्रतिबंध लगाएगा।

» यूक्रेन के साथ युद्ध रोको वर्ना टैरिफ को भुगतो

दो सप्ताह पहले, 14 जुलाई को ट्रंप ने रूस को 50 दिन का समय देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर युद्धविराम नहीं हुआ तो रूस को कठोर टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने सोमवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान समय सीमा को घटाकर 10 या 12 दिन कर दिया, तथा मास्को द्वारा समझौता करने की इच्छा न दिखाने पर निराशा व्यक्त की। इस बयान पर रूस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि रूस ने ट्रंप के बयान पर ध्यान दिया है, लेकिन यूक्रेन में उसका विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा। पेसकोव ने यह भी कहा कि रूस शांति प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपने हितों को सुनिश्चित करते हुए ही कोई समझौता करेगा। यूक्रेन में युद्ध की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। रविवार को रूस ने यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिसमें चार लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने 150 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। इन हमलों में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने ढेर किए दो आतंकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बॉर्डर पर सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। दो आतंकियों को मार गिराने में सफलता हासिल की है।

जम्मू-कश्मीर में पुछ जिले में बॉर्डर पर सीमापार से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया गया है। बॉर्डर पर तैनात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। अभी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। जम्मू-कश्मीर में बॉर्डर पर पुंछ जिले में भारत पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित दिगवार सैक्टर में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश की।

अलकायदा टेरर मॉड्यूल : गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी, अब तक पांच आतंकी अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सूरत। अलकायदा टेरर मोड्यूल केस में गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। गुजरात की एंटी टेररिस्ट सेल ने झरखंड मूल की एक महिला को बेंगलुरु से अरेस्ट किया है।

इस महिला पर संदिग्ध आतंकियों को सोशल मीडिया पर फॉलो करने और रेडिकलाइज्ड पोस्ट डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके पास मिले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से उसके पाकिस्तान से संपर्क में होने की जानकारी मिली है। आरोपी की पहचान 30 वर्षीय समा परवीन के रूप में हुई है। इससे पहले इस मामले में 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। जिसमें से दो गुजरात, एक नोएडा और एक अन्य को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था।

इस गिरफ्तारी पर गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा, गुजरात एटीएस ने पहले 4 [illegible] (भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा) आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। कल एक और महिला को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया। यह महिला बहुत कट्टरपंथी है और इंटरनेट के ज़रिए एक आतंकी नेटवर्क चला रही थी।

उसके पास से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से पाकिस्तान से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं।

नासा-इसरो का निसार मिशन आज होगा लॉन्च

» धरती के हर बदलाव पर रखेगा पैनी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो और नासा का संयुक्त मिशन निसार आज लॉन्च होने जा रहा है। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम के 5 बजकर 30 मिनट पर इस मिशन को लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के लिए इसरो के जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस रॉकेट की मदद से उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजा जाएगा।

मिशन के तहत एकत्रित डेटा निशुल्क और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करवाया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा जब नासा और इसरो संयुक्त रूप से एक ऐसा उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रहे हैं जो पूरी धरती पर नजर बनाए रखेगा। अमेरिका के चैपमैन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रमेश सिंह और बीएचयू के भूभौतिकी विभाग के डॉ. अश्वनी राजू इस मिशन के सदस्यों की सूची में शामिल हैं। राजू ने जानकारी देते हुए बताया है कि इस मिशन के तहत एकत्रित डेटा सभी के लिए निशुल्क और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करवाया जाएगा।

सूर्य-समकालिक ऑर्बिट क्या है?

सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट एक ऐसी कक्षा होती है जिसमें उपग्रह जब भी पृथ्वी के किसी खास इलाके से गुजरता है, तो हर बार वहां सूरज की रोशनी की दिशा और स्थिति लगभग एक जैसी रहती है। इस कक्षा से सैटेलाइट को लगातार समान रोशनी में एक जैसे फोटो और डेटा लेने में मदद मिलती है। इस मिशन के लिए नासा ने एल-बैंड तकनीक और इसरो ने एस-बैंड तकनीक का संयुक्त इस्तेमाल किया जा रहा है ये दोनों मिलकर निसार सैटेलाइट को बेहद ताकतवर बनाते हैं, जिससे यह बड़ी मात्रा में सटीक डेटा इकट्ठा कर सकेगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।